Sociology Paper - I
B-I (H)

Define Social stratification. Analyse max Weber's theory of Social stratification?

or

Critically discuss max Weber's class, Status & Party theory of Social stratification.

सामाजिक स्तरीकरण को परिभाषित करें, मैक्स वेबर के सिद्धांत का आलोचनात्मक व्याख्या करें?

सामाजिक स्तरीकरण एक सार्वभौमिक घटना है। अमेरिकन समाजशास्त्री P.A. Sorokin ने भी इस बात की चर्चा की है कि सामाजिक स्तरीकरण की स्थिति प्रत्येक समाज मे और प्रत्येक समय दृष्टिगोचर होती है। भिन्न-भिन्न समाजों में सामाजिक स्तरीकरण की प्रकृति और स्वरूप में अन्तर पाया जा सकता है किंतु हम किसी ऐसे समाज की कल्पना नही कर सकते जहाँ सामाजिक स्तरीकरण न पाया जाय।

जब समाज का विभाजन विभिन्न समूहों में होता है और भिन्न-भिन्न समूहों के सदस्यों को भिन्न-भिन्न प्रस्थिति (Status) प्राप्त होती है तब समाज के इसी विभाजन की स्थिति को सामाजिक स्तरीकरण कहा जाता है। सामाजिक स्तरीकरण को परिभाषित करते हुए Sutherland और Woodward ने लिखा है कि "सामाजिक स्तरीकरण केवल अन्तः क्रियाओ या विभेदीकरण की ही एक प्रक्रिया है जिस में कुछ व्यक्तियों को दुसरे व्यक्तियों की तुलना मे उच्च स्थिति प्राप्त होती है।" (Stratification is simply a process of interraction or differentiation where by some people come to rank higer than others) इस परिभाषा से पता चलता है कि सामाजिक स्तरीकरण एक प्रक्रिया है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके कारण समाज विभिन्न समूहों में विभाजित होता है। इन समूहों में किसी समूह के लोगों को निम्नतम स्थिति प्राप्त होती है तो कुछ अन्य समूहो के लोगों को उस से उच्च स्थिति प्राप्त होती है और किसी समूह को उच्चतम स्थिति प्राप्त होती है।

P.A. Sorokin ने भी सामाजिक स्तरीकरण को परिभाषित किया है और लिखा है "सामाजिक स्तरीकरण का अर्थ एक जनसंख्या विशेष का उच्च-निम्न के संस्तरणात्मक अध्यारोपित श्रेणीं में विभेदीकरण है इसकी अभिव्यक्ति उच्चतर एवं निम्नतर सामाजिक स्तरो में विद्यमान होने के माध्यम से होता है।" इसका अर्थ सामाजिक स्तरीकरण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके कारण समज उच्च और निम्न स्थिति के समूहों में विभाजित होता है और समाज में एक संस्तरणात्मक ढाँचा उत्पन्न होता है। Sorokin इस बात का भी उल्लेख किया है कि सामाजिक स्तरीकरण की स्थिति जहाँ कहीं भी पायी जाती है वहाँ लोगों के अधिकारों और विशिष्ट सुविधाओं तथा सामाजिक शक्ति और प्रभाव में भी अन्तर पाया जाता है। इस स्तरीकरण का आधार धन संपत्ति, व्यवसाय, राजनीति शक्ति, शिक्षा, जाति,

Scanned with CamScanner

प्रजाति, उम्र, यौन, धर्म, इत्यादि विभिन्न कारक होते हैं यह सामाजिक स्तरीकरण जैसा कि T. Gisbert ने भी बताया है, समाज का विभिन्न समूहों में स्थायी विभाजन है।

Max Weber का सामाजिक स्तरीकरण का सिद्धांत

जर्मन के एक प्रसिद्ध समाजशास्त्री max Weber ने सामाजिक स्तरीकरण का एक सिद्धांत प्रस्तुत किया है जो class Status & Party theory के नाम से जाना जाता है। अपने इस सिद्धांत में सर्वप्रथम max Weber ने सामाजिक स्तरीकरण को परिभाषित किया है और लिखा है "सामाजिक स्तरीकरण समाज में पायी जाने वाली असमान शक्ति की एक संगठित अभिव्यक्ति है।" इसका अर्थ max Weber के अनुसार किसी भी समाज में सभी लोगों को एक समान शक्ति प्राप्त नहीं होती है किसी को कम शक्ति प्राप्त रहती है तो किसी को अधिक शक्ति प्राप्त रहती है। जब समाज में भिन्न-भिन्न लोगों को भिन्न-भिन्न शक्ति प्राप्त होती है तब इसी स्थिति को max Weber सामाजिक स्तरीकरण कहते हैं। इनके अनुसार समाज में विभिन्न वर्ग पाये जाते हैं जिस वर्ग के लोगों को अधिक शक्ति प्राप्त रहती है उन्हें समाज में उच्च स्थान प्राप्त रहता है और जिस वर्ग के लोगों को कम शक्ति प्राप्त रहती है उन्हें निम्न स्थिति प्राप्त रहती है। अतः समाज में सामाजिक स्तरीकरण की स्थिति उत्पन्न होती है। इनके अनुसार शक्ति से तात्पर्य "उस अवसर से है जिसको के एक व्यक्ति या एक व्यक्ति किसी सामूहिक क्रिया में अपनी इच्छा की पूर्ति के लिए उस क्रिया में भाग लेने वाले दूसरे व्यक्तियों द्वारा विरोधिता करने पर भी प्राप्त कर लेते हैं।"

max Weber ने अपने सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धांत में इस बात का उल्लेख किया है कि समाज में व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों से सम्बन्धित शक्ति प्राप्त करता है। अतः विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक स्तरीकरण दृष्टिगोचर होता है। max Weber के अनुसार समाज में लोगों को जो शक्ति प्राप्त होती है, वह मुख्यतः तीन क्षेत्रों से सम्बन्धित होती है:-

(1) आर्थिक क्षेत्र
(2) सामाजिक क्षेत्र
(3) राजनीतिक क्षेत्र

max Weber के अनुसार आर्थिक क्षेत्र में वर्ग के आधार पर लोगों की शक्ति में समानता पायी जाती है इसी तरह सामाजिक क्षेत्र में प्रस्थिति के आधार पर और राजनीतिक क्षेत्र में दल (party) के आधार पर असमानता दृष्टिगोचर होती है। इस तरह max Weber ने न केवल आर्थिक क्षेत्र में सामाजिक स्तरीकरण पाया जाता है बल्कि सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में

Scanned with CamScanner

भी स्तरीकरण पाया जाता है।

Max Weber ने विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले सामाजिक स्तरीकरण की जो व्याख्या प्रस्तुत की है उसे निम्न रूप में स्पष्ट किया जा सकता है:-

(1) आर्थिक क्षेत्र में स्तरीकरण → Max Weber ने आर्थिक शक्ति की असमानता के कारण आर्थिक क्षेत्र में स्तरीकरण पाया जाता है। इनके अनुसार समाज में सभी लोगों को समान आर्थिक शक्ति प्राप्त नहीं रहती है। अतः आर्थिक शक्ति में भिन्नता के कारण समाज में भिन्न-भिन्न वर्ग उत्पन्न होते है जिस वर्ग को जितनी ही अधिक आर्थिक शक्ति प्राप्त रहती है समाज में उस वर्ग के लोगों को उतनी ही उच्च स्थिति प्राप्त होती है। इनके अनुसार प्रत्येक समाज के दो प्रमुख वर्ग पाए जाते है:- (I) संपत्ति का अधिकारी वर्ग और (II) संपत्ति विहीन सेवा कार्य में लगा हुआ वर्ग। चूकी इन विभिन्न वर्गों की आर्थिक स्थिति समान नहीं होती है। अतः आर्थिक आधार पर समाज में स्तरीकरण की स्थिति उत्पन्न होती है।

(2) सामाजिक क्षेत्र में स्तरीकरण → Max Weber ने सामाजिक स्थिति की भिन्नता के कारण सामाजिक क्षेत्र मे स्तरीकरण उत्पन्न होता है। इनके अनुसार समाज में जिन लोगो को एक समान स्थिति प्राप्त रहती है वे एक प्रस्थिति (Status) का निर्माण करते है। किस समाज में सबों को समान प्रतिष्ठा प्राप्त नहीं रहती है अतः समाज में विभिन्न स्थिति समूह उत्पन्न होते है और सामाजिक क्षेत्र में भी स्तरीकरण उत्पन्न होते है। Max Weber ने कहा है कि समाज द्वारा यह निर्धारित होता है कि किस स्थिति के समूह के लोगो को उच्च स्थान प्राप्त होगा और किस स्थिति के लोगो को निम्न स्थिति प्राप्त होगा। व्यक्ति को शिक्षा, व्यवसाय, नातेदारी, परिवार आदि बहुत से कारकों को ध्यान में रखकर एक समुदाय के लोग यह निर्णय देते है कि समाज में किस व्यक्ति की प्रतिष्ठा उच्च होगी और किसकी निम्न।

(3) राजनीतिक क्षेत्र में स्तरीकरण → Max Weber ने राजनीति क्षेत्र मे पाये जाने वाला स्तरीकरण की विशेष रूप से चर्चा नहीं कि है उन्होने तो इतना ही विचार दिया है कि राजनीति क्षेत्र में दल के आधार पर लोगो की शक्ति मे असमानता पायी जाती है और राजनीति क्षेत्र में स्तरीकरण उत्पन्न होता है। राजनीति क्षेत्र में दल के आधार पर व्यक्ति को राजनीति शक्ति प्राप्त होती है चूकी सभी दलों को समान शक्ति प्राप्त नहीं रहती है। अतः राजनीति क्षेत्र मे भी स्तरीकरण पाया जाता है। Max Weber ने इस बात की भी चर्चा की है कि जो लोग सत्ता समूह से सम्बन्धित रहते है उन्हे उन लोगो की तुलना में काफी शक्ति प्राप्त होती है जो समूह सत्ता दल से सम्बन्धित नहीं रहते हैं फलस्वरूप जिस दल को जितनी ही अधिक राजनीति शक्ति रहती है उसका राजनीति स्तरीकरण में स्थान भी उतना ही उच्च होता है।

आलोचना

Max Weber का उपयुक्त सिद्धांत कुछ रूपों से दोषपूर्ण प्रतीत होता है जो निम्नलिखित हैं :-

(1) Max Weber ने आर्थिक क्षेत्र में स्तरीकरण का उल्लेख करते हुए यह बताया है कि समाज में अनेक वर्ग हो सकते हैं किंतु उन्होंने इस बात को स्पष्ट नहीं किया कि समाज में कितने आश्रित वर्ग पाये जाते हैं।

(2) Max Weber का यह विचार भी उचित नहीं प्रतीत होता है कि सामाजिक क्षेत्र में एक व्यक्ति की प्रतिष्ठा का निर्धारण सामुदायिक निर्माण के आधार पर होता है। इसका कारण यह है कि एक व्यक्ति की प्रतिष्ठा के सम्बन्ध में एक समुदाय के सभी सदस्यों का निर्णय एक समान होना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में एक व्यक्ति के Status का निर्धारण करना संभव नहीं होगा।

(3) Max Weber ने राजनीति क्षेत्र में पाए जाने वाले अधिकार को न तो कोई विशेष महत्व दिया और न ही इसकी स्पष्ट व्याख्या प्रस्तुत की। अतः इस रूप में भी इनका यह सिद्धांत दोषपूर्ण प्रतीत होता है।

Scanned with CamScanner